

## अधिक खतरे के लक्षण: जानकारी प्रपत्र

(अधिक खतरेवाले शिशुओं के माता पिता के लिए)

आपका शिशु अधिक खतरेवाला है। सामान्य तथा स्वस्थ शिशुओं से, अधिक खतरेवाले शिशुओं को बीमार पड़ने का तथा मरने का ज़्यादा खतरा होता है। इसलिए ऐसे शिशुओं की विशेष देखभाल करना बहुत ज़रूरी है।

आपके आशा को अधिक खतरेवाले शिशुओं की देखभाल करने का प्रशिक्षण दिया गया है। ऐसे शिशुओं की समस्या का समाधान करने के लिए उसके पास जानकारी तथा उपकरण हैं। कृपया उसकी बातें सुनें और वो आपको उचित सेवा दे सके, इसके लिए उसकी मदद करें।

**अधिक खतरेवाले शिशुओं की जन्मतेही निम्न प्रकारसे देखभाल की जाए तो उनकी जान बच सकती है:**

1. शिशु को नंगा न रखें। पहले दिन से ही उसे सूती कपड़े पहनाएँ। ठंडे मौसम में उसे कंबल में या गर्म थैली में रखें। बच्चे को नंगा रखा जाने से उसके शरीर का तापमान कम हो जाता है और बच्चा ठंडा पड़ जाता है। यह स्थिति शिशु के लिए जानलेवा हो सकती है।
2. जब तक शिशु का वज़न 2000 ग्राम से अधिक न हो जाए उसे नहलाना नहीं।
3. माँ अपने नाखून काटती रहे तथा हरबार शिशु को दूध पिलाने से पहले अपने हाथ धोए।
4. सभी परिवारजन शौच से लौटने के बाद, शिशु को छूने से पहले, साबुन और पानी से हाथ धोए।
5. अधिक खतरेवाले शिशुओं को हर दो घंटे बाद स्तनपान कराएँ।
6. यदि शिशु स्तनपान न कर पाए तो स्तनों से दूध निकालकर कटोरी/ चम्मच से शिशु को पिलाना चाहिए।
7. अधिक खतरेवाले शिशुओं का वज़न, दूसरे हफ्ते से हर हफ्ते बढ़ना चाहिए। यदि ऐसा न हो, तो आशा से संपर्क करें।

**यदि आपके शिशु में निम्न में से कोई खतरे का लक्षण दिखता है, तो तुरंत आशा को बुलाएँ।**

- हाथ पैर लुंज-पुंज हो
- स्तनपान करना बंद कर दे
- छाती अंदर को धँसी हो
- बुखार हो
- छूने में ठंडा पड़ा हो



स्तनपान करना बंद



छाती अंदर को धँसना